WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. General Part-II Examination, 2022

HINDI

PAPER: HING-II

Time Allotted: 3 Hours | Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×10=10

(क) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है ?

(ख) ''यदि प्रबन्धकाव्य एक विस्तृत वनस्थली है तो मुक्तक एक चुना हुआ गुलदस्ता है''– किसकी उक्ति है ?

(ग) 'इश्कलता' किसकी रचना है ?

(घ) 'बिहारी' किस धारा के कवि हैं ?

(ङ) सूरदास की भक्ति किस भाव की है ?

(च) 'मतवाला' पत्रिका के संपादक कौन थे ?

(छ) 'कामायनी' में कितने सर्ग हैं ?

(ज) 'सतरंगे पंखों वाली' के रचनाकार कौन हैं ?

(झ) 'अज्ञेय' द्वारा संपादित पत्रिका का नाम बताइए।

(ञ) ''राम की शक्ति पूजा'' कवि का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं <u>तीन</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 10×3=30

(क) झूठे तन कौं क्या गरबावै।
मरै तौ पल भरि रहन न पावै॥
खीर खांड घृत पिंड संवारा। प्रांन गएं लै बाहरि जारा॥
जहिं सिरि रचि रचि बांधत पागा। सो सिरू चंचु संवारहिं कागा॥
हाड़ जरै जैसे लकड़ी झूरी। केस जरै जैसे त्रिन कै कूरी॥
कहै कबीर नर अजहूं न जागै। जम का डंड मूंड़ महिं लागै॥

(ख) दूलह श्रीरघुनाथु बने दुलही सिय सुंदर मंदिर माहीं।
गावति गीत सबै मिलि सुंदरि बेद जुवा जुरि बिप्र पढ़ाहीं॥
रामको रूपु निहारति जानकी कंकनके नगकी परछाहीं।
यातें सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारत नाहीं॥

(ग) अरे वर्ष के हर्ष!
बरस तू बरस बरस रस धार।
पार ले चल तू मुझको,
वहाँ दिखा मुझको भी निज
गर्जन-भैरव संसार!
उथल-पुथल हर हृदय
मचा हलचल
चल रे चल!

(घ) अर्थ दो, अर्थ दो।
मत हमें रूपाकार इतने व्यर्थ दो!
हम समझते हैं इशारा जिन्दगी का–
हमें पार उतार दो–
रूप मत, बस सार दो।

(ङ) दाने आये घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखे कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखे कई दिनों के बाद।

3. ''बिहारी सतसई' में श्रृंगार, भक्ति और नीति-तीनों की धारा प्रवाहित है'–इस कथन के आधार पर बिहारी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

सूरदास की भक्ति भावना का उल्लेख कीजिए।

4. अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

अथवा

प्रसाद के काव्य में व्यक्त छायावादी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>चार</u> पर टिप्पणी लिखिए :– 5×4=20

(क) निर्गुण-सगुण में साम्य

(ख) जायसी की लोक चेतना

(ग) मुक्त छंद

(घ) विद्रोही कवि के रूप में निराला

(ङ) नागार्जुन के काव्य में व्यंग्य

(च) 'सागर तट की सीपियाँ' का सारांश।

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

——×——